امجدی کیلنڈر



786
92



بدھ

12
شوّال
1444ھ

03
MAY
2023

बुध

आलिमे दीन की क़द्र करें

हज़रते ख़्वाजा उस्मान हारूनी रदी अल्लाहु तआला अन्हु ने हदीस शरीफ के हवाले से फ़रमाया कि आख़री ज़माना में आलिमों को मारा जाएगा और उनको बुरा भला कहा जाएगा । अनीसुल अरवाह सफा न0 39

और फ़रमाया कि आखरी ज़माना में अमीर लोग ताक़तवर हो जाऐंगे और आलिम हज़रात आजिज़ व कमज़ोर ,तो उस वक़्त अल्लाह तआला अपनी बरकत उठा लेगा,और शहर वीरान व बरबाद हो जाऐंगे और दीन में फसाद वाक़े हो जाएगा,फिर तुम्हें याद रहे कि वह लोग अहले दोज़ख़ में से हैं ।अनीसुल अरवाह सफा न0 43

अल्लह पाक हम सब को आलिमे दीन की कद्र करने की तौफीक़ दे । आमीन या रब्बल आलमीन

दुआओं का तालिब
बिलाल अहमद

मिनजानिब – मुफ़्ती शाहनवाज़ हुसैन अमजदी

امجدی کیلنڈر



786
92



क़ब्र की पुकार

जमعرات

13
شوّال
1444ھ

04
MAY
2023

जुमेरात

हजरते अबू हुरैरह रदी अल्लहु तआला अन्हु फरमाते हैं कि हम एक मर्तबा हुज़ूर अक़्दस सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की माईयत में एक जनाज़ह के साथ चले कब्रिस्तान में पहुंच कर हुज़ूर अक़्दस सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम एक क़ब्र के पास तशरीफ फरमा हुए और इरशाद फरमाया कि (किसी) क़ब्र पर कोई दिन एसा नहीं गुज़रता जिस में वह निहायत फसीह और साफ आवाज़ के साथ यह ऐलान नहीं करती कि ए इब्ने आदम तू मुझे भूल गया,मैं तन्हांई का घर हूं , अजनबीयत का घर हूं ,मैं वहशत का घर हूं,मैं निहायत तंगी का घर हूं, यह सब क़ब्र की पुकार है लिहाज़ा अल्लाह पाक ने जो ज़िन्दगी दी है तो इसको क़द्रे ग़नीमत जाने और ज़मीन पर रह कर क़ब्र की तैय्यारी करें ।

अल्लाह पाक हम सब को क़ब्र की तैय्यारी करने की तैफ़ीक दे । आमीन या रब्बल आलमीन

दुआओं का तालिब
बिलाल अहमद

मिनजानिब - मुफ़्ती शाहनवाज़ हुसैन अमजदी

रोज़ाना की अच्छी बात हासिल करने के लिए वाटसएप मैसेज कीजीए 9120759830

Follow Page

PAIGHAM E MUSTAFA OFFICAL

M.S.Amjadi

امجدی کیلنڈر



786
92



जمعه

14
شوّال
1444ھ

05
MAY
2023

जुमा

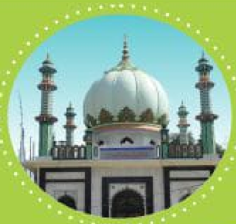
मौत के हवाले सक मुख़्तलिफ अक़्वाल

मौत के हवाले से मुख़्तलिफ अक़्वाल मिलते हैं उन पर ग़ौर किया जाना चाहिए ।
मौत एक खि़लौना है जो टुट जाने पर नहीं बन सकता।
मौत एक बेख़बर साथी है ।
अहमक़ (बेवक़ूफ) और मुर्दा लोग अपने ख़यालात बदल नहीं सकते।
मौत का एक दिन मुकर्र है उसे टाला नहीं जा सकता।
मौत एक दरवाज़ा है जिस से हर एक को गुज़रना है।
दुनिया में नेक काम करके मर जाना आबे हयात से बेहतर है ।

मिनजानिब - मुफ़्ती शाहनवाज़ हुसैन अमजदी

दुआओं का तालिब
बिलाल अहमद

امجدی کیلنڈر



786
92



हफ्ता

14
شوال
1444ھ

06
MAY
2023

सनीचर

झुट बोलना मोमिन की शान नहीं

अल्लाह के नबी सैय्यदे आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम से किसी ने पुछा कि किया मोमिन बुज़दिल हो सकता है ? तो आक़ा ए करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फरमाया हाँ , फिर पुछा किया मोमिन बख़ील हो सकता है ? तो प्यारे मुस्तफ़ा करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फरमाया हाँ , फिर पुछा किया मोमिन झुटा हो सकता है ? तो रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फरमाया नहीं ।

मोअत्ता इमाम मालिक हदीस न0 1713

इस हदीसे पाक से मालूम हुआ कि मोमिन सब कुछ हो सकता है लेकिन झुटा नहीं क्यूंकि झुट बोलना बन्दा ए मोनि की शान हनहीं ।

मिनजानिब – मुफ़्ती शाहनवाज़ हुसैन अमजदी

दुआओं का तालिब
बिलाल अहमद

امجدی کیلنڈر



786
92



بدھ

19
شوال
1444ھ

10
MAY
2023

बुध

कौन सा इल्म हांसिल करना फर्ज़ है

पाँच तरह के उलूम हांसिल करना हर आकि़ल बालिग़ मुसलमान पर फर्ज़ है :
(1) इस्लामी अक़ाईद (यानी उन अक़ीदों को जानना कि जिन के ज़रिऐ आदमी सच्चा पक्का मोमिन बने और उन का इनकार करने से बन्दा इस्लाम से निकल जाए या गुमराह हो जाए) (2) ज़रूरत के मसअले (इबादात (मसलन नमाज़,रोज़ा,हज,व ज़कात,वग़ैरह) व दीगगर मुआमलात (मसलन मुलाज़िमत व कारोबार वग़ैरह जिस काम से आप का तुल्लुक़ है इन सब के ज़रूरी मसाइल) को जानना ।

बाक़ी अगले पोस्ट में

मिनजानिब – मुफ़्ती शाहनवाज़ हुसैन अमजदी

दुआओं का तालिब
बिलाल अहमद

امجدی کیلنڈر

786
92





پیر

17
شوّال
1444ھ

08
MAY
2023

सोमवार

आधी आस्तीन के कपड़े पहन कर नमाज़ पढ़ना कैसा ?

जवाब : जिस के पास कपड़े मौजूद हों फूल आस्तीन के , और सिर्फ आधी आस्तीन या बनयाइन पहन कर नमाज़ पढ़ता है ,तो मकरूहे तन्जीही है नमाज़ हो जाऐगी ,लेकिन सवाब कम मिलेगा और अगर कपड़ा मौजूद नहीं है तो मकरूहे तन्जीही भी नहीं माफ है नमाज़ बग़ैर कराहियत के हो जाएगी ।

फ़तावा अमजदिया जिल्द 1 सफा न0 193

मिनजानिब – मुफ़्ती शाहनवाज़ हुसैन अमजदी

दुआओं का तालिब
बिलाल अहमद

امجدی کیلنڈر



786
92



جمعه

21
شوّال
1444ھ

12
MAY
2023

जुमा

अक़ीदे की अहमीयत

अक़ीदा'' अरबी ज़बान का लफ़्ज़ है , जिस के माने हैं : ऐसा फैसला या नज़रिया जिस के मानने वालों के लिए उस में शक व शुब्ह की गुन्जाइश न हों : इस्तिलाही एतबार से अक़ीदा उन दीनी उमूर का नाम है जिन पर दिल बग़ैर किसी शक व शुब्ह के पुख़्ता हो जाए ।

मिनजानिब – मुफ़्ती शाहनवाज़ हुसैन अमजदी

दुआओं का तालिब
बिलाल अहमद

امجدی کیلنڈر



786
92



منگل

इस्लाम की बुनयादी चीज़ें

18
شوّال
1444ھ

09
MAY
2023

मंगल

हज़रते उमर बिन ख़त्ताब रदी अल्लाहु तआला अन्हु से मरवी है कि अल्लाह के नबी सैय्यदे आलम ﷺ ने फ़रमाया कि इस्लाम की बुनयाद पांच वसुलों पर है : (1) तौहीदो रिसालत यानी इस बात की गवाही देना कि अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं और मुहम्मद मुस्तफा ﷺ अल्लाह के रसूल हैं :(2) नमाज़ क़ाएम करना (3) ज़कात अदा करना (4) बैतुल्लाह का हज करना (5) रमज़ान के रोज़े रखना :

सहीहुल मुस्लिम किताबुल ईमान

नोट

याद रखें कि यह बुनयादी चीज़ है जिस का जानना हर साहिबे ईमान के लिए बे हद ज़रूरी है कि तौहीदो रिसालत के बाद सब से पहला मक़ाम है नमाज़ का लेकिन नमाज़ से भी पहले एक चीज़ का होना ज़रूरी है कि बग़ैर उस के नमाज़ मुकम्मल नहीं बल्कि यूं कहिए कि उस के बग़ैर सारी ईबादतें अधुरी है ।

बक़िया इंशा अल्लाह अगले पोस्ट में

दुआओं का तालिब
बिलाल अहमद

मिनजानिब - मुफ़्ती शाहनवाज़ हुसैन अमजदी

امجدی کیلنڈر

786
92

اتوار

23
شوّال
1444ھ

14
APRIL
2023

इतवार

कल का बाक़ी

अक़ीदा को दुरुस्त रखना बे हद ज़रूरी है

सूरह आले इमरान के ज़रीए रब तबारक व तआला इरशाद फ़रमाता है : तरजमा बेशक वह जो ईमान लाकर काफिर हुए ,फिर और कुफ्र में बढ़े ,उन की तौबा हर गिज़ कुबूल न होगी और वही हैं बहके हुए, वह जो काफिर हुए और काफिर ही मरे ,उन में किसी से ज़मीन भर सोना हर गिज़ कुबूल न किया जाएगा अगरचे अपनी ख़ुलासी को दे,उन के लिए दर्द नाक अज़ाब है और उनका कोई यार नहीं ।

अलकुरआन सुरह आलिइमरान आयत न0 90,91

मिनजानिब – मुफ़्ती शाहनवाज़ हुसैन अमजदी

दुआओं का तालिब
बिलाल अहमद

امجدی کیلنڈر

786
92





پیر

24
شوّال
1444ھ

15
MAY
2023

सोमवार

दुआओं का तालिब
बिलाल अहमद

अक़ाइद के बग़ैर ईमान कामिल नहीं

हदीसे पाक है : हज़रते आईशा रदी अल्लहु अन्हा ने बारगाहे रिसालत में अर्ज़ की : या रसुलल्लाह ﷺ ज़मान ए जाहिलीयत में इब्ने जदआन (बनू तैम का मशहूर सख़ी) रिशतदारों के साथ नेक सुलूक किया करता था, मिस्कीनो को खाना खिलाता था, किया यह आमाल उसे (आख़िरत में) नफा दें़गे ? नबी ए अकरम ﷺ ने फरमाया :यह आमाल उस के काम नहीं आऐंगे क्यूं कि उस ने (अल्लाह पर ईमान न रखने की वजह से) एक दिन भी यह नहीं कहा कि ए अल्लाह ! आख़िरत में मेरी ख़ताओं को बख़्श देना ।

सहीहुल मुस्लिम हदीस न0 518

मिनजानिब - मुफ़्ती शाहनवाज़ हुसैन अमजदी

Follow Page
M.S.Amjadi

रोज़ाना की अच्छी बात हासिल करने के लिए वाटसएप मैसेज कीजीए 9120759830

PAIGHAM E MUSTAFA OFFICIAL

امجدی کیلنڈر



786
92



پیر

24
شوال
1444ھ

15
MAY
2023

सोमवार

अक़ाइद के बग़ैर ईमान कामिल नहीं

हदीसे पाक है : हज़रते आईशा रदी अल्लहु अन्हा ने बारगाहे रिसालत में अर्ज़ की : या रसुलल्लाह ﷺ ज़मान ए जाहिलीयत में इब्ने जदआन (बनू तैम का मशहूर सख़ी) रिशतदारों के साथ नेक सुलूक किया करता था, मिस्कीनो को खाना खिलाता था, किया यह आमाल उसे (आख़िरत में) नफा देंगे ? नबी ए अकरम ﷺ ने फरमाया :यह आमाल उस के काम नहीं आऐंगे क्यूं कि उस ने (अल्लाह पर ईमान न रखने की वजह से) एक दिन भी यह नहीं कहा कि ए अल्लाह ! आख़िरत में मेरी ख़ताओं को बख़्शश देना ।

सहीहुल मुस्लिम हदीस न0 518

मिनजानिब - मुफ़्ती शाहनवाज़ हुसैन अमजदी

दुआओं का तालिब
बिलाल अहमद

امجدی کیلنڈر



786
92



منگل

25
شوّال
1444ھ

16
MAY
2023

मंगल

कितना इल्म ज़रूरी है

एक मुसलमान के लिए ज़ात व सिफ़ते बारी तआला, नबी ए अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम और दिगर अम्बीया व मुरसलीन, मलाइका मुक़र्रबीन, मरने के बाद ज़िन्दा होने, जन्नत व दोज़ख़, मुनकर नकीर के सवालात, हौज़े कौसर और पुलसेरात के हक़ होने नीज़ हज़रते अबू बकर सिद्दीक़ रदी अल्लाहु तआला अन्हु का हज़राते अम्बीया ए किराम अलैहिमुस्सलाम के बाद सब से अफ़ज़ल होने वग़ैरह अक़ाइद का इतना इल्म होना ज़रूरी है कि जिस से सहीह और ग़लत अक़ीदे की पहचान हो जाए ।

अल्लाह पाक हम सब को इल्मे दीने मुस्तफा सीख कर अपने ईमानो अक़ाइद की हिफ़ाज़त करने की तौफ़ीक़ बख़्शे ।

आमीन या रब्बल आलमीन

दुआओं का तालिब
बिलाल अहमद

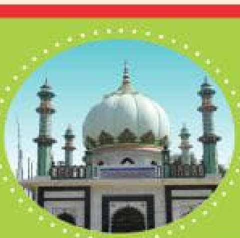
मिनजानिब - मुफ़्ती शाहनवाज़ हुसैन अमजदी

रोज़ाना की अच्छी बात हासिल करने के लिए वाटसएप मैसेज कीजीए 9120759830

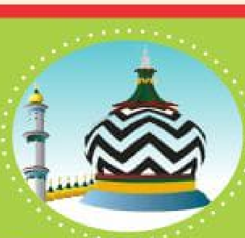
Follow Page
M.S.Amjadi

PAIGHAM E MUSTAFA OFFICIAL

امجدی کیلنڈر



786
92



جمعرات

27
شوال
1444ھ

18
MAY
2023

जुमेरात

ख़ालिक़ कौन

दुनिया की हर चीज़ का पैदा करने वाला अल्लाह है,अल्लाह पाक के ख़ालिक़ होने से मुराद यह है कि आलम में होने वाला हर वाक़िया उसी का बनाया है,उसी की तख़लीक़ और उसी की इजाद है,चुनान्चा क़ुरआने करीम मे है : الله خالق كل شیء
अल्लाह हर चीज़ का पैदा करने वाला है ।

अल्लाह पाक सिर्फ नज़र आने वाले अजसाम,अबदान का ही ख़ालिक़ नहीं है,बल्कि आमालो अफआल को भी अल्लह पाक ने ही पैदा किया है,जैसा कि क़ुरआने पाक मे इरशाद है:
والله خلقكم وماتعملون और अल्लाह ने तुम्हे पैदा किया और तुम्हारे आमाल को । अलक़ुरआन

मालूम हुआ कि तमाम आलम को पैदा करने वाला अल्लाह है और वह एक है और इन सब बातों पर यक़ीने कामिल रखना ज़रूरी है जिसे यक़ीन नहीं वह मोमिन नहीं।

बाक़ी इंशा अल्लाह अगले पोस्ट में

मिनजानिब - मुफ़्ती शाहनवाज़ हुसैन अमजदी

दुआओं का तालिब
बिलाल अहमद

امجدی کیلنڈر



786
92



جمعه

28
شوّال
1444ھ

19
MAY
2023

जुमा

दुआओं का तालिब
बिलाल अहमद

कल का बाक़ी

ख़ालिक़ कौन

इस से पहले पोस्ट में जो बात गुज़री उस से हर गिज़ यह बात नहीं कही जा सकती कि जिस तरह हमारे काम इल्लत और सबब के मुहताज होते हैं इसीतरह अल्लाह पाक के अफ़आल भी इल्लत व सबब के मुहताज हैं मआज़ल्लाह !इसी सवाल का जवाब देते हुए आला हज़रत रदी अल्लाहु अन्हु ने इरशाद फरमाया :न इल्लत से :''यानी अल्लाह पाक ने इल्लत और सबब ज़रूर पैदा फ़रमाया मगर हमारा रब इल्लत व सबब का मुहताज नहीं है मसलन अल्लाह पाक ने आँख को देखने के लिए ,कान को सुनने के लिए ,आग को जलाने के लिए और पानी को प्यास बुझाने के लिए पैदा किया है ,इन में देखना , सुनना,जलाना और प्यास बुझाना इल्लतें और असबाब हैं लेकिन अल्लाह पाक चाहे तो आँख सुने,कान देखे,आग प्यास बुझाए और पानी जलाए ।

बाक़ी इंशा अल्लाह अगले पोस्ट में

मिनजानिब - मुफ़्ती शाहनवाज़ हुसैन अमजदी